ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 188

भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्लासरूमः कक्षा तीन से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पढ़ाने की साहसिक योजना



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः भारत अपनी शिक्षा प्रणाली में दशकों से चले आ रहे सबसे महत्वाकांक्षी सुधारों में से एक के लिए तैयार है. नए शैक्षणिक सुधारों के तहत 2026-27 शैक्षणिक वर्ष से कक्षा तीन से ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाएगा.

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार यह पहल भारतीय स्कूलों के लिए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCF) 2023 और नेशनल ऐजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो डिजिटल साक्षरता और 21वीं सदी के कौशल पर केंद्रित हैं.सरकार इसे एक दूरदर्शी कदम बता रही है, लेकिन इसके कार्यान्वयन, सुरक्षा और युवा शिक्षार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों पर इसके प्रभाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं.

फ्यूचर रेडी विजन

इस संबंध में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य अवधेश कुमार झा ने कहा, "कक्षा तीन से स्कूली पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (AI और CT) को शामिल करना शिक्षा में एक अग्रणी मील का पत्थर है."

उन्होंने यह भी कहा, "इस पहल का उद्देश्य सभी बच्चों में तकनीक के नैतिक और सूचित उपयोग के कौशल का विकास करना और शुरुआती वर्षों से ही बच्चों की रचनात्मकता, प्रॉब्लम सोल्विंग स्किल और डिजिटल फ्लुएंसी को बढ़ावा देना है."

नए ढांचे के तहत आठ साल की उम्र से ही छात्रों को AI क्या है, मशीन लर्निंग किसे कहते और एथिक्स क्यों महत्वपूर्ण है यह बताया जाएगा. पाठों में स्टोरी-बेस्ड, व्यावहारिक शिक्षण के माध्यम से कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, पैटर्न पहचान, डेटा जागरूकता और तकनीक के क्रिएटिव ऐप्लीकेशन का मिश्रण होगा.

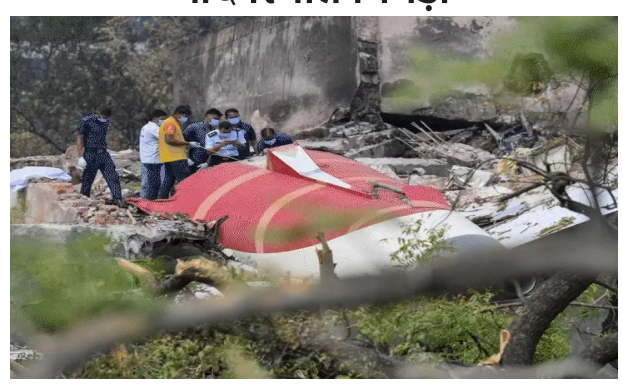
एमिटी इंटरनेशनल स्कूल वसुंधरा की प्रधानाचार्य डॉ भावना कुलश्रेष्ठ ने कहा, "हमारे छात्र कक्षा 1 से 10 तक पहले से ही AI सीख रहे हैं." IIT मद्रास के कार्तिक रमन के नेतृत्व वाली एक सीबीएसई समिति को पाठ्यक्रम तैयार करने का काम सौंपा गया है. सरकार के NISHTHA फ्रेमवर्क के तहत लर्निंग मटेरियल और टीचर ट्रेनिंग मॉड्यूल दिसंबर 2025 तक तैयार होने की उम्मीद है.

एक करोड़ शिक्षकों को एआई सिखाना असली मुद्दा

हालांकि, ये विचार भविष्य की सोच पर आधारित हैं, लेकिन इन्हें लागू करने की प्रक्रिया बहुत बड़ी है. भारत में एक करोड़ से ज़्यादा स्कूली शिक्षक हैं और उनमें से कई शिक्षकों को एआई टूल्स का सीमित अनुभव है. एआई विशेषज्ञ साक्षर दुग्गल का कहना है, "बुनियादी स्तर पर जोर कोडिंग पर नहीं, बल्कि इसके पीछे की सोच को विकसित करने पर होना चाहिए. कम्प्यूटेशनल थिंकिंग का अर्थ है समस्याओं को हल करना, पैटर्न को पहचानना और तार्किक रूप से सोचना सीखना. एआई कंपोनेंट का ध्यान छात्रों को मशीनों के सीखने, डेटा के उपयोग और नैतिकता के महत्व के बुनियादी विचारों से परिचित कराने पर होना चाहिए."

शिक्षा मंत्रालय ने पहले ही पायलट कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं, जो शिक्षकों को पाठ योजना और संसाधन डिज़ाइन के लिए एआई टूल्स का उपयोग करने की अनुमति देते हैं और 2019 से इंटेल, आईबीएम और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ साझेदारी में 10,000 से ज़्यादा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

एअर इंडिया ने मांगी 10 हजार करोड़ रुपए की मददःपुरानी चीजों को अपग्रेड करेगी एयरलाइन; अहमदाबाद क्रैश के बाद स्थिति बिगड़ी



24 न्यूज अपडेट

एअर इंडिया ने अपने ओनर्स टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 1.14 बिलियन डॉलर यानी, करीब 10 हजार करोड़ रुपए का फाइनेंशियल सपोर्ट मांगा है। यह रिक्वेस्ट जून में अहमदाबाद में हुए क्रैश के बाद आई है, जिसमें 241 पैसेंजर्स समेत कुल 261 लोगों की मौत हो गई थी।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी सिस्टम्स और सर्विसेज को ओवरहॉल करने के लिए ये फंड्स चाहती है। यानी, पुरानी चीजों को पूरी तरह जांचना, सुधारना और अपग्रेड करना। टाटा संस का 74.9% स्टेक है। सिंगापुर एयरलाइंस बाकी का हिस्सा रखती है।

ओनर्स फैसला करेंगे कि यह इंटरेस्ट-फ्री लोन होगा या इक्विटी। फाइनेंशियल मदद टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइन्स की हिस्सेदारी के हिसाब से होगी। वहीं क्रैश के बाद कंपनी इंटरनल प्रैक्टिसेस सुधारने पर फोकस कर रही है। CEO ने इस हफ्ते वादा किया कि चीजें बेहतर होंगी।

एअर इंडिया मार्च के अंत तक अपना घाटा खत्म करने के लक्ष्य से काफी दूर है। फाइनेंशियल सपोर्ट की यह मांग एविएशन सेक्टर की मुश्किलों को दिखाती है, जहां कई एयरलाइंस फंडिंग की कमी के कारण बाहर हो गईं। सेक्टर लीडर इंडिगो, मुनाफे वाली इकलौती एयरलाइन है।

सरदार की 150वीं जयंती पर बोले मोदी - "कांग्रेस की गलतियों से दशकों तक जला कश्मीर"

24 न्यूज अपडेट



गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर गुजरात के एकता नगर पहुंचे। उन्होंने 182 मीटर ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय एकता दिवस परेड की सलामी ली। मोदी ने कहा कि सरदार पटेल इतिहास रचने वाले थे, उन्होंने आजादी के बाद 550 रियासतों को भारत में मिलाने का असंभव काम संभव किया। उन्होंने कहा, "सरदार पटेल चाहते थे कि पूरा कश्मीर भारत में शामिल हो, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। कांग्रेस की गलती की आग में कश्मीर दशकों तक जलता रहा।"

"कांग्रेस ने वंदे मातरम् को भी बांटा"

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अंग्रेजों से गुलाम मानसिकता की विरासत मिली। "अंग्रेजों ने वंदे मातरम् पर रोक लगाने की कोशिश की, पर नाकाम रहे। लेकिन जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, कांग्रेस ने कर दिया — वंदे मातरम् के हिस्से को धार्मिक आधार पर हटा दिया।" मोदी ने कहा, "कांग्रेस ने समाज को बांटा, ब्रिटिश एजेंडा आगे बढ़ाया। सरदार ने एकता की बात की, कांग्रेस ने विभाजन की।"

"नक्सलवाद-माओवाद खत्म कर रहेगा भारत"

मोदी ने कहा कि देश अब उस दिशा में बढ़ रहा है, जिसका सपना सरदार पटेल ने देखा था।

"2014 से पहले 125 जिले माओवादी हिंसा से प्रभावित थे, अब केवल 11 बचे हैं। जब तक देश नक्सलवाद, माओवाद और आतंकवाद से मुक्त नहीं होगा, हम चैन से नहीं बैठेंगे।"

परेड में झलकी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का नेतृत्व महिला अफसरों ने किया। BSF, CRPF, CISF, ITBP समेत 16 टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। वायुसेना की सूर्यकिरण टीम ने फ्लाई पास्ट किया, जबकि असम पुलिस के डेयरडेविल्स ने मोटरसाइकिल स्टंट से रोमांच बढ़ाया। 10 राज्यों की झांकियों में जम्मू-कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, मणिपुर, छत्तीसगढ़, अंडमान-निकोबार समेत अन्य प्रदेशों की झलक देखने को मिली।

15 दिन चलेगा भारत पर्व

एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक 'भारत पर्व 2025' का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न राज्यों की संस्कृति, लोककला और विविधता में एकता की झलक दिखाई जाएगी।

सोना 1,151 महंगा होकर 1.21 लाख पर पहुंचाःइस साल अब तक सोने की कीमत 44,608 रुपए बढ़ी, चांदी 63,108 रुपए महंगी हुई



24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज 31 अक्टूबर को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,151 रुपए बढ़कर 1,20,770 रुपए पर पहुंच गया।

कल सोने की कीमत 1,19,619 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इसी महीने 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। तब से इसका भाव 10,104 रुपए गिर चुका है।

वहीं, चांदी 2,342 रुपए बढ़कर 1,49,125 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई। 30 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,46,783 प्रति किलोग्राम थी। इसी महीने चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से इसकी कीमत 28,975 रुपए कम हो चुकी है।

सड़क खराब? अब जिम्मेदारी तय - हर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगेंगे QR कोड वाले बोर्ड



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। अब अगर सड़क टूटी-फूटी दिखे तो गुस्सा सरकार पर नहीं, जिम्मेदारों पर निकलेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों (NH) पर जवाबदेही तय करने की नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत हर राष्ट्रीय राजमार्ग पर QR कोड वाले बोर्ड लगाए जाएंगे, जिन्हें स्कैन करते ही संबंधित ठेकेदार, कंसल्टेंट और निगरानी अधिकारी की पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। गडकरी ने कहा कि अक्सर सड़क खराब होने पर लोग सोशल मीडिया पर सरकार को दोष देते हैं, जबकि गलती किसी ठेकेदार या अधिकारी की होती है। "अगर सड़क खराब है, तो जनता को यह पता होना चाहिए कि जिम्मेदारी किसकी है। मैं क्यों गाली खाऊं?"

— नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

स्कैन करें, जानकारी पाएं

इस व्यवस्था के तहत हर सड़क प्रोजेक्ट से जुड़ा QR कोड सड़क किनारे लगे बोर्ड पर मौजूद रहेगा। मोबाइल से स्कैन करते ही जनता को यह जानकारी मिलेगी कि सड़क किस कंपनी ने बनाई, डिजाइन किस कंसल्टेंट ने किया और रखरखाव का जिम्मा किस सरकारी अधिकारी के पास है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नया कदम गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और निर्माण कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने YouTube चैनल बनाकर हर प्रोजेक्ट की वीडियो रिपोर्ट जनता के साथ साझा करें, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों सुनिश्चित की जा सके।

SC बोला- जांच एजेंसी वकीलों को नोटिस नहीं भेज सकतीं:एसपी से परमिशन लेनी जरूरी; ED के वकीलों को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन भेजे थे

24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश में कहा, 'जांच एजेंसियां किसी भी वकील को तब तक समन नहीं कर सकतीं, जब तक पुलिस अधीक्षक (SP) की लिखित मंजूरी न हो। यह कदम वकील और मुवक्किल के बीच की गोपनीयता के अधिकार की रक्षा के लिए जरूरी है। इसके आदेश के साथ ही कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के सीनियर एडवोकेट अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को भेजे गए समन को भी रद्द कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने यह फैसला खुद से नोटिस मामले में सुनाया है।

दरअसल, यह मामला ED के वकीलों अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को मनी लॉन्ड्रिंग जांच में समन भेजने से जुड़ा था। इस कदम की सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (SCAORA) ने आलोचना की थी। इसके बाद ED ने जून में अपने अधिकारियों के लिए आंतरिक दिशा-निर्देश जारी किए थे कि अब किसी वकील को केवल निदेशक की पूर्व अनुमति और धारा 132 के अनुपालन में ही समन किया जा सकेगा।

आज बाजार में 800 अंक का उतार-चढ़ाव रहाःसेंसेक्स 465 अंक गिरकर 83,938 पर बंद, निफ्टी 25,700 पर आया; IT और मेटल में बिकवाली



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन शुक्रवार, 31 अक्टूबर को सेंसेक्स 465 अंक गिरकर 83,938 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 155 अंक की गिरावट रही, ये 25,722 पर क्लोज हुआ। दिनभर के कारोबार के दौरान बाजार में 800 अंकों का उतार-चढ़ाव रहा।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का शेयर 4% चढ़ा। वहीं, जोमैटो, NTPC और कोटक बैंक में 3.5% तक की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 41 नीचे बंद हुए। NSE के IT, मीडिया और मेटल शेयर में ज्यादा गिरावट देखने को मिली। वहीं, सरकारी बैंक और ऑयल एंड गैस शेयर्स में ज्यादा खरीदारी हुई।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर खेलगांव में तैराकी प्रतियोगिता में छलका उत्साह



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, एन.सी.सी. और क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार शाम महाराणा प्रताप खेलगांव के तरणताल पर तैराकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि यह आयोजन एक जिला एक खेल एवं पंच गौरव योजना के अंतर्गत किया गया। प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों के तैराकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें 50, 100 और 200 मीटर फ्री स्टाइल, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बैक स्ट्रोक और बटरफ्लाई जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

बालक अंडर-11 वर्ग में 50 मीटर फ्री स्टाइल में हिमांश मालवीय ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि तनुष सक्सेना और आर्यन क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में नित्या शर्मा, ईशा कुमावत और नंदिका सोनी विजेता रहीं। इसी प्रकार 5 वर्ष आयु वर्ग के नन्हे तैराक अभिजीत पालीवाल और कृषिक ने स्वर्ण पदक जीतकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। अंडर-14 वर्ग में मौलिक, रिंकल, हद्याश, लक्षिता, लक्ष्यराज और योगेश्वरी ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं अंडर-17 वर्ग में गोविंद, सानवी, नीव, विधि सनाठ्य, विधान सनाठ्य और ईशिका ने अपने प्रदर्शन से प्रतियोगिता में बढ़त बनाई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रहा आकर्षण का केंद्र तैराकी स्पर्धा के साथ-साथ खेलगांव परिसर में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। एन.सी.सी. कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक, नृत्य एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता प्रस्तुत कर देशभक्ति का संदेश दिया।

इस अवसर पर आईजी गौरव श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट कर्नल मनमोहन सिंह रावत सहित खेल विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी, अभिभावक और नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

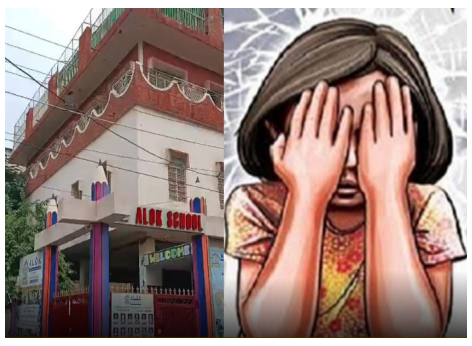
संपादकीय : सकारात्मक राह

पिछले कुछ समय से भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह के उतार-चढ़ाव लगातार कायम हैं, उसमें फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है। मगर यह जरूर कहा जा सकता है कि अब फिर से संबंधों को सहज बनाने के अवसर निकाले जा रहे हैं, माहौल को सकारात्मक बनाया जा रहा है। मसलन, दक्षिण कोरिया के ग्योंग में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका व्यापार समझौता कर रहा है। दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को कहा गया कि अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट दी है। गौरतलब है कि सितंबर के आखिर से अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वालों पर प्रतिबंध लागू कर दिया था। दरअसल, भारत ने पिछले वर्ष मई में चाबहार बंदरगाह के संचालन के लिए अगले दस वर्षों तक के लिए एक अनुबंध किया था। इससे भारत को मध्य एशिया के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह इस लिहाज से अहम है कि विदेश की धरती पर भारत को पहली बार किसी बंदरगाह के प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली थी। चाबहार बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के लिए काफी महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इस मार्ग से भारत के लिए यूरोप तक पहुंचना आसान हो जाएगा। साथ ही इससे ईरान तथा रूस को भी लाभ मिल सकता है। मगर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने जब दूसरे देशों को अपनी नीतियों के मुताबिक संचालित करने के मकसद से शुल्क लगाने की घोषणा की, तब उसके लिए कुछ अन्य कदम भी उठाए, जिसमें रूस से तेल खरीदने के मसले पर भारत पर जुर्माना लगाने से लेकर चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वालों पर पाबंदी लगाना भी शामिल था। जाहिर है, यह नीति वास्तव में एक स्थिति से निपटने के लिए दूसरी नई समस्याओं को गढ़ना था, जिसका कोई औचित्य नहीं था । यह बेवजह नहीं है कि ट्रंप को अपनी ही घोषित नीतियों पर नरम पड़ने या उसमें बदलाव करने की जरूरत महसूस होती रही है। पिछले कुछ महीनों के दौरान अलग-अलग मुद्दों पर अपनी घोषणाओं के मसले पर उनके रुख में कई बार बदलाव देखा गया। यों भारत ने अपनी तरफ से किसी ऐसी नीति पर चलने का फैसला नहीं किया है, जिससे ऐसा लगे कि वह अमेरिका के हाल के फैसलों के खिलाफ कोई कदम उठा रहा है। मगर अमेरिका ने जब से अपने वहां आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की नीति लागू की और उसका दायरा बढ़ाता गया, उसमें यह साफ दिखा कि उसके मुख्य निशाने पर भारत है। अमेरिका की शुल्क नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक तरह से अघोषित व्यापार युद्ध की स्थिति पैदा करने की कोशिश के तौर पर देखा गया। यह स्वाभाविक ही है कि इससे प्रभावित होने वाला कोई भी देश अपनी स्थिति को संतुलित रखने के लिए वैकल्पिक उपायों की खोज करता । भारत के सामने भी यही स्थिति है और इसी क्रम में इसने रूस के साथ तेल सौदे से लेकर कूटनीतिक कोशिशों सहित अन्य कई पहलकदमी की। अब अगर अमेरिका संबंध सहज करने के मकसद से फिर नए रास्ते तैयार करने की कोशिश में है, वे इसे सकारात्मक माना जा सकता है। यों भी, दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना वक्त की जरूरत है, जिसका प्रभाव दूरगामी होगा उम्मीद की जानी चाहिए कि इस दिशा में अमेरिका अब कोई ठोस कदम उठाएगा।

साफ सफाई

यह नागरिक चेतना के अभाव का ही उदाहरण है कि देश के कई राज्यों में सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई बनाए रखने के लिए स्वच्छता की नियमावली बनानी पड़ती है। थूकने और गंदगी फैलाने पर नगर निकायों जुर्माना लगाने के लिए बाध्य होना पड़ता है। किसी भी समाज में यह एक अलिखित शिष्टाचार है कि नागरिक सामाजिक दायित्व का पालन करें। मगर यह निराशाजनक ही है कि अधिकतर लोग स्वच्छता के प्रति लापरवाह दिखाई देते हैं। लिहाजा, उन्हें सचेत करने के लिए जुर्माना लगाना पड़ता है। यह स्थिति तब है जबकि पिछले कई वर्षों से देश में लगातार स्वच्छता अभियान चलाए जाते रहे हैं। इस बार संसदीय क्षेत्र वाराणसी में नगर निगम ने अपने सीमा क्षेत्र में गंदगी फैलाने, कूड़ा फेंकने और पान-गुटका खाकर थूकने पर जुर्माना लगाने की घोषणा की है। सवाल है कि बार-बार इस तरह के कदम उठाने की जरूरत क्यों पड़ती है। क्या देश और समाज के प्रति नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं है? लोगों में सामुदायिक भावना का अभाव किसी भी समाज की एक निराशाजनक तस्वीर है। यही कारण है कि अक्सर लोग न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करते, बल्कि सड़कों पर गंदगी फैलाते भी दिख जाते हैं। ऐसे लोग व्यक्तिगत सुविधा की तो चिंता करते हैं, लेकिन सामाजिक दायित्व भूल जाते हैं। हालांकि साफ-सफाई के लिए जुर्माना वसूलने से पहले नगर निकायों को भी वह देखना चाहिए कि उन्होंने नागरिकों को कितनी और कैसी सुविधाएं दी हैं? अधिकतर बस्तियों और मोहल्लों में कूड़ा उठाने वाले वाहन समय पर नहीं आते। जरूरी जगहों पर जन सुविधा परिसरों का अभाव होता है या उनमें स्वच्छता का ध्यान नहीं रखा जाता। लंबी दूरी की सड़कों के किनारे कई पेट्रोल पंपों पर बने शौचालय या तो साफ नहीं होते या फिर उसका उपयोग आम लोगों को नहीं करने दिया जाता। इससे जरूरतमंद पुरुषों और महिलाओं को खासी दिक्कत होती है। अगर देश में स्वच्छता को लेकर चेतना की कमी है तो इसके लिए समाज और शासन दोनों जिम्मेदार हैं। हम आज तक ऐसा समाज नहीं तैयार कर पाए, जिसमें हर नागरिक में उत्तरदायित्व का बोध हो और वह अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाता दिखे।

आलोक स्कूल में टीचर को परिजनों ने सीढ़ियों से घसीटा-पीटा! हाथ टूटा, अस्पताल में भर्ती | छेड़छाड़ FIR



24 न्यूज अपडेट

हाथीपोल थाना क्षेत्र के आलोक स्कूल में 12 वर्षीय 8वीं कक्षा की छात्रा से कथित रूप से छेड़छाड़ का मामला सामने आया। बच्ची ने घर लौटकर परिजनों को बताया कि दो दिन पहले टीचर ने उसके साथ अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया, परिजनों ने प्रिंसिपल से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। शुक्रवार को गुस्साए परिजन और रिश्तेदार स्कूल पहुंचे। टीचर को छिपाने की कोशिश हुई, लेकिन तलाशी के बाद परिजनों ने उसे ऊपरी मंजिल से घसीटकर सीढ़ियों से नीचे लाते हुए जमकर पीटा। पूरी घटना स्कूल के सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें परिजन टीचर को लात-घूंसे मारते और घसीटते दिख रहे हैं। टीचर ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पीठ, पसलियां, सिर पर चोटें है व हाथ की हड्डी टूट गई है। एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। टीचर ने कहा, "मैंने कुछ नहीं किया, न बोला। मुझे सीढ़ियों से मारते हुए नीचे लाए।" पुलिस ने सीसीटीवी जब्त कर जांच शुरू की। परिजनों की ओर से छेड़छाड़ की एफआईआर दर्ज हुई है।

सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा योजना के तहत देवस्थान विभाग देगा तीर्थयात्रियों को 15 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता, 31 दिसंबर तक किया जा सकेगा आवेदन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। प्रदेश सरकार के देवस्थान विभाग की सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा योजना के तहत लद्दाख स्थित सिन्धु दर्शन यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को यात्रा पूर्ण करने के पश्चात प्रति यात्री अधिकतम 15 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेशवासियों को देश के उत्तरी सीमांत क्षेत्र में स्थित सिन्धु नदी और सिन्धु संस्कृति से परिचित कराना है। देवस्थान आयुक्त कन्हैयालाल स्वामी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत आवेदक को 31 अक्टूबर 2025 तक सिन्धु दर्शन यात्रा पूर्ण करनी होगी तथा 31 दिसंबर 2025 तक संबंधित सहायक देवस्थान कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। यह होंगी पात्रता शर्तें सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा योजना के लिए आवेदक का राजस्थान का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा उसकी आयु 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। तीर्थयात्री को यात्रा स्वयं के स्तर पर पूरी कर टिकट, रसीदें एवं व्यय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। विभाग द्वारा अधिकतम 15 हजार रुपए प्रति यात्री की सहायता दी जाएगी। योजना के अंतर्गत हर वर्ष 200 तीर्थयात्रियों को सहायता प्रदान की जाती है। यदि आवेदन संख्या अधिक होती है तो चयन लॉटरी प्रक्रिया से किया जाएगा। देवस्थान अतिरिक्त आयुक्त गितेश श्री मालवीया ने बताया कि योजना के प्रति जागरूकता के अभाव में कई तीर्थयात्री इस लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों से अपील की कि वे समय पर आवेदन कर इस योजना का लाभ उठाएं। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी देवस्थान विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा का उद्देश्य मालवीया ने बताया कि सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा लेह-लद्दाख में सिन्धु नदी तक की यात्रा का कार्यक्रम है, जहां प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के निकट जून माह में तीन दिवसीय सिन्धु दर्शन उत्सव मनाया जाता है। यह उत्सव सांप्रदायिक सौहार्द्र और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है तथा इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन सैंधव संस्कृति से जनमानस को जोड़ना है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं खान सुरक्षा महानिदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में राजभाषा प्रश्नोत्तरी का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। खान सुरक्षा महानिदेशालय, उदयपुर अंचल कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उदयपुर के तत्वावधान में राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों और बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, आयकर विभाग, भारतीय खान ब्यूरो, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय खाद्य निगम, उदयपुर सौर वेधशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान, क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, एकलिंगगढ़ सहित कुल 11 सदस्य कार्यालयों से 22 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रश्नोत्तरी में राजभाषा नियमावली, कार्यालयीन शब्दावली, हिंदी व्याकरण, सामान्य ज्ञान एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम से जुड़े प्रश्नों को शामिल किया गया। प्रतियोगिता के परिणामों में भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण ने प्रथम, क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान ने द्वितीय तथा भारतीय प्रबंध संस्थान (IIM उदयपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में खान सुरक्षा निदेशक श्री संदीप श्रीवास्तव, श्री प्रकाश कुमार, श्री विनोद रजक तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव श्री गिरीराज पालीवाल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन श्री लोकेश मीणा द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री संकेत कुमार, उप निदेशक (खान सुरक्षा) ने प्रस्तुत किया। यह जानकारी गिरीराज पालीवाल, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उदयपुर ने दी।

उदयपुर पुलिस ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर निकाली "रन फॉर यूनिटी"



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उदयपुर पुलिस द्वारा जिलेभर में "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महानिरीक्षक, पुलिस उदयपुर रेंज श्री गौरव श्रीवास्तव, जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल, समस्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, वृताधिकारी, थानाधिकारी, पुलिस कर्मी, पुलिस मित्र, ग्राम रक्षक, सीएलजी सदस्य, यूथ सीएलजी, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी, एनजीओ प्रतिनिधि एवं आमजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। उदयपुर शहर में "रन फॉर यूनिटी" दौड़ विभिन्न थाना क्षेत्रों से प्रारंभ होकर फतहसागर पाल, सूरजपोल चौराहा और रैती स्टैंड चौराहा तक पहुंची। समापन पर जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल ने सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। एसपी गोयल ने कहा कि "सरदार वल्लभभाई पटेल का देश की एकता और अखंडता में योगदान सदैव प्रेरणादायक रहेगा। यह आयोजन उनके योगदान को स्मरण करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का एक माध्यम है।" राष्ट्रीय एकता दिवस पर आज प्रातः 11:30 बजे जिले के सभी पुलिस कार्यालयों, थानों एवं पुलिस लाइन में अधिकारियों और कार्मिकों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई।

सर्व ओबीसी समाज ने मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी, भारत के लौह पुरुष एवं एकीकरण के प्रणेता भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की महिला प्रदेश अध्यक्ष मणी बहन पटेल ने की। इस अवसर पर सरदार पटेल के चित्र पर समाज की परंपरानुसार साफा बांधकर व पुष्पमाला अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्थापक दिनेश माली, लायन दिनेश, पूर्व सरपंच मोहन लाल डांगी, भुवाणा सरपंच भगवती लाल, रामलाल, खेमराज, नंदलाल, तेजाजी, नारायणजी, मीना पटेल, शर्मिला माली, खुशबू, रमाकांत अजारिया, भंवरलाल सुहालका सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

लदानी क्षेत्र में विद्युत खंभे और डीपी बने हादसों का कारण



24 न्यूज अपडेट

लदानी। लदानी आबादी क्षेत्र में विद्युत विभाग की लापरवाही लोगों के लिए खतरा बनती जा रही है। क्षेत्र के कई स्थानों पर बिजली के खंभों और डीपी के आसपास झाड़ियां, विलायती बबूल और बैल की झाड़ियाँ फैल चुकी हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। विशेष रूप से होलीथड़ा मोहल्ले में विद्युत सप्लाई की डीपी और खंभों के चारों ओर कांटेदार झाड़ियां और बेलें लिपटी हुई हैं। इन झाड़ियों के चलते तारों और केबलों में उलझन हो गई है। लदानी स्कूल परिसर के पास लगे विद्युत खंभे की स्थिति भी अत्यंत खराब है, जहां तारों पर झाड़ियां चढ़ी हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्युत विभाग की अनदेखी के कारण आए दिन बिजली गुल रहती है। कई बार शॉर्ट सर्किट की घटनाएं भी हो चुकी हैं। शुक्रवार प्रातः से ही क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप रही। लोगों का कहना है कि मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीर, विद्यार्थी और मवेशी सभी असुरक्षित हैं। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि विद्युत विभाग तत्काल झाड़ियों और विलायती बबूल की कटाई-छंटाई की नियमित व्यवस्था करे तथा कर्मचारियों को इस संबंध में निगरानी और रखरखाव के लिए पाबंद किया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

जयश्री नंदवाना का भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कर्मचारी संगठन द्वारा आज प्रयोगशाला सहायक (SFAB कर्मचारी) सुश्री जयश्री नंदवाना का विदाई समारोह बड़े हर्ष और आत्मीयता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नवीन नंदवाना, सह-अधिष्ठाता, आर्ट्स कॉलेज उपस्थित रहे। इस अवसर पर कर्मचारी संगठन अध्यक्ष श्री नारायण लाल सालवी सहित महाविद्यालय के सभी संविदा कर्मचारी शामिल हुए। समारोह में वक्ताओं ने सुश्री नंदवाना के कार्यकाल के दौरान उनके योगदान और सहयोगी स्वभाव की सराहना की। सभी ने उन्हें उपर्णा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. नवीन नंदवाना ने अपने संबोधन में कहा कि "कार्यस्थल पर आपसी सहयोग और आत्मीयता ही संस्थान की असली शक्ति है।" उन्होंने सुश्री जयश्री के उज्ज्वल भविष्य और दाम्पत्य जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। संगठन अध्यक्ष श्री सालवी ने समस्त साथियों का आभार व्यक्त करते हुए सुश्री जयश्री नंदवाना को उनके नवजीवन और वैवाहिक जीवन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने शिवोहम योग साधना पुस्तक का किया विमोचन



24 न्यूज अपडेट

शिवोहमद योग केंद्र" के संचालक योगाचार्य प्रीतम सिंह चुंडावत द्वारा लिखित पुस्तक "शिवोहम योग साधना" का विमोचन डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड के कर कमलों द्वारा सिटी पैलेस, शंभू निवास में किया गया। मिडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि निदेशक प्रीतम सिंह चुंडावत ने डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को उपरणा ओढ़ाकर स्वागत व अभिनंदन किया। संस्थान के अध्यक्ष योगाचार्य डॉ नरेंद्र कुमार ने उन्हें पुस्तक भेंट करते हुए, योग व शिक्षा के क्षेत्र में शिवोहम योग केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों व उपलब्धियों से अवगत कराया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह ने पुस्तक को योग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण व नव योग साधकों के लिए बहुत उपयोगी बताया। उन्होंने बताया कि छोटी सी पुस्तक में योग से संबंधित लगभग सभी महत्वपूर्ण जानकारियां आकर्षक चित्रों सहित सरल भाषा में दी गयी हैं। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद किसी अन्य ग्रंथ के संदर्भ की आवश्यकता नहीं पड़ती। यह पुस्तक अपने आप में "गागर में सागर" की उक्ति को चरितार्थ करती है, और यह पुस्तक हर योग प्रेमी के पास होनी ही चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन उदयपुर के सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया , गणपत सिंह, रुक्मण कुंवर, कृष्णा झाला उपस्थित थे।

रूपये दोगुना करने का लालच देकर लाखों की ठगी करने वाले दंपती को तीन-तीन साल का सश्रम कारावास व तीन-तीन लाख रुपए जुर्माना

24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा (कविता पारख)। महिलाओं से निवेश के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले पति-पत्नी को न्यायालय ने तीन-तीन वर्ष का सश्रम कारावास और तीन-तीन लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला आशुतोष यादव, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मनासा, जिला नीमच की अदालत ने सुनाया। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी एडीपीओ रितेश कुमार सोमपुरा ने बताया कि दोषी राहुल मिश्रा (39) और उसकी पत्नी निशा मिश्रा (38) निवासी बादीपुरा मोहल्ला, रामपुरा (वर्तमान निवासी तिलक नगर, इंदौर) ने कंपनी में रुपए लगाकर उन्हें दो से तीन गुना बढ़ाकर लौटाने का झांसा देकर कई महिलाओं से लाखों रुपए हड़प लिए थे। पीड़िता प्रेमलता दीक्षित ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि आरोपी दंपती ने उसे विश्वास में लेकर 1.5 लाख रुपए जमा कराए और रसीद देने से मना करते रहे। बाद में दोनों घर का सामान समेटकर फरार हो गए। जांच में सामने आया कि उन्होंने रामपुरा की मीना सिसोदिया, कमलाबाई सुतार, पुष्पाबाई सुतार, पवित्राबाई शर्मा और कृष्णाबाई से भी इसी तरह लाखों रुपए ठगे थे। पुलिस ने आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से राशि बरामद की। न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से ए.जी.पी. गुलाबसिंह चंद्रावत ने साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिनसे अपराध संदेह से परे सिद्ध हुआ। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को धारा 420 आईपीसी के तहत दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। साथ ही अर्थदंड की राशि 6 लाख रुपए में से पीड़ित महिलाओं को प्रतिकर के रूप में देने का आदेश भी दिया — प्रेमलता दीक्षित – 1,50,000 मीना सिसोदिया – 50,000 कमलाबाई सुतार – 1,30,000 पुष्पाबाई सुतार – 45,000 पवित्राबाई शर्मा – 1,10,000 कृष्णाबाई – 80,000

बीकानेर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य ने पकड़ी रफ्तार, स्टेशन बिल्डिंग का फाउंडेशन वर्क प्रगति पर, 471 करोड़ रुपये की लागत से स्थानीय कला व आधुनिकता का समावेश



24 न्यूज अपडेट

बीकानेर, 31 अक्टूबर। बीकानेर शहर के सामरिक महत्व, पर्यटन संभावनाओं और यात्री भार को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यहां यात्री सुविधाओं के विस्तार पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। “अमृत भारत स्टेशन योजना” के तहत 471 करोड़ रुपये की लागत से बीकानेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिसमें स्थानीय कला, विरासत और आधुनिकता का सुंदर समावेश किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण ने बताया कि महाप्रबंधक श्री अमिताभ के निर्देशानुसार बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य ने गति पकड़ ली है। स्टेशन के मुख्य एवं द्वितीय प्रवेश द्वारों पर भूतल सहित नौ मंजिला नई बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। मुख्य प्रवेश पर 26,000 वर्ग मीटर और द्वितीय प्रवेश पर 17,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बिल्डिंग तैयार होगी। वर्तमान में द्वितीय प्रवेश भवन का फाउंडेशन कार्य प्रगति पर है, वहीं बारात घर का फाउंडेशन व स्ट्रक्चर कार्य पूर्ण हो चुका है। ऑडिटोरियम और स्टाफ क्वार्टर्स के लिए भी फाउंडेशन कार्य जारी है। स्टेशन परिसर में 16,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में सर्कुलेटिंग एरिया व सड़क, तथा 15,000 वर्ग मीटर में पार्किंग सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए 36 मीटर चौड़ा (3530 वर्ग मीटर) एयर कॉनकोर्स एरिया बनाया जा रहा है, जो सभी प्लेटफार्मों व दोनों प्रवेश द्वारों को जोड़ेगा। इस कॉनकोर्स में वाणिज्यिक दुकानें, कैफेटेरिया, एग्जीक्यूटिव लाउंज, फूड कोर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र और वेटिंग हॉल जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशन पर 41 लिफ्ट और 24 एस्केलेटर लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा 1700 व 1475 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के दो नए फुट ओवरब्रिज बनाए जाएंगे। प्लेटफार्मों पर 16,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में शेल्टर कार्य किया जाएगा। नए स्टेशन भवन में आगमन और प्रस्थान हेतु अलग प्रवेश-निकास द्वार, एयर कॉनकोर्स, स्काई वॉक, कवर्ड प्लेटफार्म, लिफ्ट-एस्केलेटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, आधुनिक वेटिंग रूम, एग्जीक्यूटिव लाउंज, फूड कोर्ट और उन्नत लाइटिंग व्यवस्था जैसी सुविधाएं शामिल की जा रही हैं। दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, पर्याप्त पार्किंग, संकेतक, स्वच्छ शौचालय, बेगेज स्कैनर, मेटल डिटेक्टर, कोच गाइडेंस बोर्ड व ट्रेन इंडिकेटर भी लगाए जाएंगे। ऊर्जा दक्षता को ध्यान में रखते हुए स्टेशन को ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा पर विकसित किया जा रहा है। परिसर में 1200 केवीए क्षमता के सोलर पैनल लगाए गए हैं, साथ ही कचरा प्रसंस्करण, वर्षा जल संचयन और फायर फाइटिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं भी स्थापित की जा रही हैं। बीकानेर स्टेशन को आगामी 50 वर्षों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर पुनर्विकसित किया जा रहा है। स्टेशन की दैनिक यात्री क्षमता लगभग 80,000 के अनुसार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। पुनर्विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप प्रगति पर है ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय रेल अनुभव मिल सके। इस परियोजना के पूर्ण होने पर न केवल स्थानीय नागरिकों और यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि पर्यटन विकास और रोजगार के नए अवसरों को भी गति मिलेगी।

निंबाहेड़ा ब्लॉक के 182 विद्यालयों में हुआ भव्य मेगा पीटीएम बैठक व श्रीकृष्ण भोज का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा (कविता पारख)। राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में ब्लॉक निंबाहेड़ा के 182 राजकीय विद्यालयों में भव्य मेगा पीटीएम बैठक एवं श्रीकृष्ण भोज का आयोजन किया गया। इसी संदर्भ में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भगवानपुरा में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. महावीर कुमार शर्मा की अध्यक्षता में मेगा पीटीएम बैठक व श्रीकृष्ण भोज का आयोजन किया गया। मेगा पीटीएम बैठक में ब्लॉक निंबाहेड़ा के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मूंदड़ा, पीईईओ प्रधानाचार्य राशिद खान, शिक्षक एवं स्थानीय ग्रामीण अभिभावकों की गरिमामय उपस्थिति रही। बैठक के दौरान मुख्य जिला अधिकारी डॉ. महावीर कुमार शर्मा द्वारा विद्यालय में शिक्षकों के माध्यम से अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराया गया। वहीं सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर चर्चा की गई तथा जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जीवनी और शिक्षाओं से विद्यार्थियों को लाभान्वित कराया गया। इसके साथ ही विद्यालय में पोस्टर, स्लोगन, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी अवलोकन किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मूंदड़ा द्वारा गुणवत्तापूर्ण एवं रुचिपूर्ण शिक्षा, प्रखर राजस्थान 2.0 पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए शिक्षकों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इसी अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों के मध्यावधि अवकाश के दौरान किए गए गृहकार्य के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया गया। वहीं विद्यालय में एकता दिवस के अवसर पर उपस्थित शिक्षक, अभिभावक व विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। विद्यालय में आयोजित श्रीकृष्ण भोज में विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोज का आनंद लिया गया। इसके साथ ही मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा भगवानपुरा विद्यालय के भौतिक संसाधनों के साथ-साथ शैक्षणिक व्यवस्था को और सुव्यवस्थित करने के लिए शिक्षक व्यवस्था के निर्देश प्रदान किए। इसके पश्चात राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रानीखेड़ा का अवलोकन किया गया। अवलोकन के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी शर्मा एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मूंदड़ा द्वारा विद्यालय में संचालित शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना की गई। वहीं रानीखेड़ा विद्यालय की प्रधानाचार्य रजनी माहेश्वरी को खेल मैदान में शिक्षकों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश भी प्रदान किए। अवलोकन के दौरान शर्मा एवं मूंदड़ा द्वारा उपस्थित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं तंबाकू निषेध संबंधी शपथ दिलाई गई।



20 साल बाद पुलिस के हाथ आया “जानू”



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 31 अक्टूबर। भिवाड़ी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 20 सालों से फरार चल रहे 7500 के इनामी बदमाश जानू मेव पुत्र धन्नू (50) निवासी तिगांव, मेवात को गिरफ्तार किया है। यह वांछित मुल्जिम थाना तिजारा के 2005 में हुए एक कॉपर से भरी गाड़ी लूट के मामले में मुख्य आरोपी था।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश और भिवाड़ी एसपी प्रशान्त किरन के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत सीडीटी तिजारा और थाना शेखपुर की संयुक्त टीम ने इस मुश्किल गिरफ्तारी को अंजाम दिया। एसपी प्रशांत किरण ने बताया कि वर्ष 2005 में परिवादी बहादुर ने थाना तिजारा में एफआईआर दर्ज कराई थी कि वह अलवर से टाटा 709 में तांबे के बंडल लेकर दिल्ली जा रहा था। रास्ते में सलारपुर के पास अपराधियों ने एक ट्रक लगाकर उसकी गाड़ी रोक दी। चार हथियारबंद लोगों ने ड्राइवर और खलासी को गाड़ी से उतारकर उनके हाथ-पैर बांध खेत में पटक दिया और कॉपर से भरी पूरी गाड़ी लूट कर फरार हो गए। इस लूटकांड के बाद से ही जानू पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था।

एसपी द्वारा पुराने लूट, हत्या और डकैती के मामलों के वांछितों को पकड़ने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में पुलिस की टीम ने 20 साल से फरार चल रहे जानू की गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति बनाई। टीम ने आसूचना जुटाने के लिए मेवात क्षेत्र में लंबे समय तक डेरा डाला और यहाँ तक कि अपराधियों की पहचान के लिए स्थानीय मेवाती भेषभूषा भी अपनाई। गुरुवार 30 अक्टूबर को सीडीटी तिजारा और थानाधिकारी शेखपुर के नेतृत्व वाली टीम को सूचना मिली कि जानू फिरोजपुर झिरका में छिपा हुआ है। तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस ने वहां से इनामी बदमाश को दबोच लिया और आगे की कार्यवाही के लिए थाना तिजारा सुपुर्द कर दिया।

इस गिरफ्तारी में थानाधिकारी शेखपुर अहीर लोकेश के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से सीडीटी तिजारा के हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश और थाना शेखपुर अहीर के कांस्टेबल मेहबूब का मुख्य भूमिका रही।

प्रदेश में शिक्षक भर्ती–2022 के 42,000 शिक्षकों को स्थाई होने का इंतजार, दो वर्ष का परिवीक्षा काल पूर्ण, कई जिलों में केवल वेतन नियमितीकरण के आदेश जारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर 2025। प्रदेश में वर्ष 2022 की शिक्षक भर्ती के तहत नियुक्त 42,000 शिक्षकों का दो वर्षीय परिवीक्षा काल अक्टूबर 2025 के प्रथम सप्ताह में पूर्ण हो चुका है, लेकिन अधिकांश जिलों में अब तक इन शिक्षकों के स्थाईकरण आदेश जारी नहीं किए गए हैं। कई जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा स्थाईकरण के स्थान पर केवल वेतन नियमितीकरण के आदेश जारी किए जा रहे हैं, जिससे शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष शेरसिंह चौहान और प्रदेश महामंत्री गोपाल मीणा ने इस संबंध में शिक्षा निदेशक, बीकानेर को ज्ञापन भेजकर सभी जिलों में शीघ्र स्थाईकरण आदेश जारी करवाने की मांग की है। प्रदेशाध्यक्ष चौहान ने बताया कि वर्ष 2022 की भर्ती के अंतर्गत प्रदेशभर में 42,000 शिक्षकों को अक्टूबर 2023 में नियुक्ति पत्र जारी किए गए थे। नियमानुसार दो वर्षीय संतोषजनक सेवा पूर्ण होने के पश्चात शिक्षकों का स्थाईकरण किया जाना चाहिए, परंतु अनेक जिलों में जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा अब तक यह प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की गई है। चौहान ने कहा कि “कुछ ही जिलों में स्थाईकरण आदेश जारी हुए हैं, जबकि अधिकांश स्थानों पर केवल वेतन नियमितीकरण किया गया है। यह नियमों के विरुद्ध है, क्योंकि परिवीक्षा काल पूर्ण होने के बाद स्थाईकरण आदेश जारी किया जाना आवश्यक है।”

उदयपुर जिले में भी लगभग 1,500 शिक्षक, जिन्हें अक्टूबर 2023 में नियुक्त किया गया था, अपने स्थाईकरण आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। स्थाईकरण प्रक्रिया लंबित होने के कारण शिक्षकों में असमंजस और असंतोष व्याप्त है।

संगठन ने शिक्षा निदेशक से मांग की है कि सभी जिलों में शीघ्र स्थाईकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर जिला परिषद की स्थापना समिति से अनुमोदन के बाद स्थाईकरण आदेश जारी करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारियों को पाबंद किया जाए।

राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों के लिए आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखण्डों का छठा चरण प्रारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। रीको (RIICO) द्वारा उदयपुर जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों हेतु आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखण्डों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना–2025 की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस योजना के छठे चरण की शुरुआत गुरुवार से की गई है, जिसके तहत उदयपुर जिले के औद्योगिक क्षेत्र कलड़वास (विस्तार), आमली, नवीन औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा और श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र माल की टूस में कुल 120 औद्योगिक भूखण्डों का प्रत्यक्ष आवंटन किया जाएगा। धरोहर राशि 30 अक्टूबर प्रातः 10 बजे से 13 नवम्बर सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकेगी, जबकि ई–लॉटरी 18 नवम्बर 2025 को आयोजित की जाएगी। रीको के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक अजय पंड्या ने बताया कि अब तक योजना के पिछले पाँच चरणों में 19 भूखण्डों पर आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 2 आवेदकों को ऑफर लेटर एवं 17 को आवंटन पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदक ऑनलाइन आवेदन करते समय भूखण्ड का 360 फोटो व्यू और गूगल लोकेशन भी देख सकेंगे, जिससे उन्हें भूखण्ड की स्थिति और आस–पास के क्षेत्र की जानकारी प्राप्त होगी और चयन की प्रक्रिया और भी पारदर्शी बनेगी। योजना में महिला उद्यमियों के लिए 2 भूखण्ड, भूतपूर्व सैनिक के लिए 1, दिव्यांगजन के लिए 1 तथा शहीदों के आश्रितों के लिए 1 भूखण्ड का पृथक आरक्षण प्रावधानित है। उपलब्ध भूखण्डः औद्योगिक क्षेत्र कलड़वास (विस्तार) – 7 भूखण्ड

औद्योगिक क्षेत्र आमली – 64 भूखण्ड

औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा – 6 भूखण्ड

औद्योगिक क्षेत्र श्रीराम जानकी (माल की टूस) – 43 भूखण्ड

भुगतान सुविधाः राइजिंग राजस्थान में 14अक्टूबर तक एमओयू करने वाले निवेशक इस योजना में पात्र होंगे। सफल आवेदकों को 25% राशि जमा कराने के बाद शेष 75% राशि का भुगतान 11 त्रैमासिक किश्तों में 8.50% ब्याज सहित, या फिर 120 दिनों के भीतर बिना ब्याज भुगतान के विकल्प के साथ किया जा सकेगा। 25% राशि जमा करते ही आवंटन पत्र जारी कर भूखण्ड का कब्जा तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रीको की आकर्षक ऋण सुविधा के अंतर्गत कुल भूखण्ड मूल्य का 75% तक ऋण भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र द्वारा राज्य सरकार की विभिन्न औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ भी निवेशकों को उपलब्ध रहेगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक रीको कार्यालय, उदयपुर से संपर्क कर सकते हैं या रीको की वेबसाइट पर विस्तृत विवरण और शर्तें देख सकते हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, बिल्डिंग खाली कराई गई



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट (जयपुर) को शुक्रवार सुबह एक ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मेल प्राप्त होते ही अदालत परिसर में हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हाईकोर्ट बिल्डिंग को खाली कराया और परिसर की तलाशी शुरू की। फिलहाल डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता (BDDS) पूरे परिसर की गहन तलाशी ले रहे हैं। वहीं, अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया है।

आम लोगों को परिसर से बाहर निकाला गया

सुरक्षा कारणों से अदालत में मौजूद सभी कर्मचारियों, वकीलों और आगंतुकों को परिसर से बाहर भेज दिया गया। धमकी भरे मेल की साइबर सेल द्वारा जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ई-मेल किस आईपी एड्रेस से भेजा गया।

जयपुर में धमकियों का सिलसिला जारी

जयपुर में पिछले कुछ महीनों से इस तरह की धमकियों का सिलसिला जारी है। 30 सितंबर को भांकरोटा स्थित माय ओवन स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। स्कूल उस समय खाली था, जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला। 8 सितंबर को मानसरोवर स्थित स्प्रिंगफील्ड स्कूल और शिवदासपुरा के एक निजी स्कूल को भी ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। दोनों मामलों में भी झूठी सूचना पाई गई। इससे पहले जयपुर की सिविल कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह जांच का विषय है कि यह धमकी किसने और किस उद्देश्य से दी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और सभी संभावित कोणों से जांच की जा रही है।

4 घंटे में सुलझा उपचुनाव धमकी कांड: गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से पत्र भेजने वाला रिटायर्ड अधिकारी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 अक्टूबर। बारां पुलिस ने विधानसभा उपचुनाव अंता के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से धमकी भरा पत्र भेजने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को मात्र चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक बारां अभिषेक अन्दासू के अनुसार आरोपी की पहचान रिटायर्ड पीएचईडी अधिकारी नरेन्द्र यादव (64) निवासी आर.के. पुरम, कोटा के रूप में हुई है, जिसने उपचुनाव का फायदा उठाते हुए अपने जमीन विवाद के प्रतिद्वंद्वियों को झूठे अपराध में फंसाने के लिए यह फिल्मी षड्यंत्र रचा था। एसपी अन्दासू ने बताया कि गुरुवार, 30 अक्टूबर को अंता विधानसभा प्रत्याशी नरेश मीणा के प्रधान कार्यालय पर रजिस्टर्ड डाक से एक लिफाफा प्राप्त हुआ। चुनाव अभिकर्ता राकेश कुमार गुर्जर ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पत्र में पेन से लिखकर नरेश मीणा के पिता कल्याण सिंह (पूर्व सरपंच, नयागांव) को धमकी दी गई थी कि "नरेश मीणा व परिवार में से एक टपकाने पर 1 करोड़ मिल रहा है। तू 10 लाख मेरे शूटर तक पहुंचा दे तो सुपारी छोड़ सकता हूँ, अन्यथा 02 तारीख को कत्लेआम करना पड़ेगा।" पत्र में यह भी लिखा था कि "शूटर रोहित गोदारा गैंग... नरेश, तेरी बीवी तो विधवा होगी, भीड़ में कुल्हे में गोली लगेगी और मुँह से निकलेगी।" इस रिपोर्ट पर थाना अंता में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के सुपरविजन और थानाधिकारी महिला थाना दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें साइबर सेल और जिला विशेष टीम को भी शामिल किया गया। गठित टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मात्र चार घंटे में आरोपी को राउंडअप कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार मुल्जिम नरेन्द्र यादव का सीसवाली के विजय थानेवाल और अमित थानेवाल पुत्र राजेन्द्र धाकड़ से करीब 20 वर्षों से जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। नरेन्द्र यादव ने अपने प्रतिद्वंद्वियों विजय थानेवाल व अमित थानेवाल को झूठा फंसाने के लिए यह चाल चली। उसने स्वयं अपने उल्टे हाथ से धमकी भरा पत्र लिखा और जिला मुख्यालय बूंदी से दो स्पीड पोस्ट (एक नरेश मीणा और एक उनके पिता के नाम से) किए ताकि शक की सुई थानेवाल बंधुओं की ओर जाए। पुलिस को उसके घर की तलाशी में एक और धमकी भरा पत्र मिला, जिसे वह नरेश मीणा की पत्नी सुनीता मीणा को भेजने की तैयारी में था। आरोपी पीएचईडी कोटा में आई.आई.ओ. के पद से रिटायर्ड हो चुका है। नरेन्द्र यादव आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है और जिससे गहनता से अनुसंधान जारी है।

राष्ट्रसंत पुलक सागर के सानिध्य में 3 नवम्बर को होगी भव्य जैनेश्वरी दीक्षा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। आदिनाथ भवन सेक्टर 11 में प्रवासरत राष्ट्रसंत आचार्य पुलक सागर महाराज के सानिध्य में सोमवार 3 नवम्बर को भव्य जैनेश्वरी दीक्षा का कार्यक्रम होगा।

जिसमे क्षुल्लक प्रतिभा सागर, क्षुल्लक पूर्णिमा सागर एवं ब्रह्मचारी शोभा दीदी की दीक्षा दी जाएगी कार्यक्रम संयोजक अशोक शाह ने बताया कि कार्यक्रम श्रृंखला में आज शनिवार को हल्दी मेहंदी एवं भक्ति संध्या का आयोजन सोहनलाल कलावत के निवास स्थान गोविन्द नगर सेक्टर 13 में होगा वहीं रविवार को बिनौली यात्रा एवं गोद भराई प्रातः 8.30 बजे आदिनाथ भवन सेक्टर 11 से प्रारम्भ होगी सोमवार को दोपहर 2 बजे से शुभ मुहूर्त में सेक्टर 11 स्थित मान बाग में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा का कार्यक्रम होगा कार्यक्रम के आयोजक श्री आदिनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट सेक्टर 11 एवं कार्यक्रम के निवेदक सकल दिगंबर जैन समाज उदयपुर, आदिनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट एवं पुलक मंच परिवार होंगे। अध्यक्ष पारस चित्तौड़ा, महामंत्री कमल कांत जोलावत, कोषाध्यक्ष सुरेश वखारिया एवं सह संयोजक महावीर सिंघवी ने बताया कि दीक्षा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरो शोरो से चल रही है, कार्यक्रम में सम्पूर्ण संभाग से हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे

पटेल जयंती पर विशाल वाहन रैली एवं भव्य एकता सभा का आयोजन



24न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, पटेल समाज खड़क चोखला युवा संगठन खेरवाड़ा के नेतृत्व में राष्ट्र नायक, एकता के प्रतीक ,भारत रत्न ,लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर समाज के 42 गांवों के युवाओं द्वारा विशाल वाहन रैली एवं भव्य एकता सभा का आयोजन किया गया। वाहन रैली प्रातः 10:15 बजे पटेल समाज छात्रावास भवन रानी रोड से प्रारंभ हुई जिसमें बारिश के बावजूद भी सैकड़ो दो पहिया एवं चौपहिया वाहन धारी शामिल हुए। वाहन रैली में 500 से अधिक युवाओं एवं समाजजनों ने भाग लिया। रैली के दौरान डीजे की धुन पर पटेल का स्मरण करते हुए गीत गाते युवा शामिल हुए। पूरा कस्बा युवाओं द्वारा लगाए गए जय जवान, जय किसान, जय सरदार के गगन चुंबी नारों से गुंजायमान हो गया। रैली के दौरान सरदार पटेल की झांकियां भी प्रदर्शित की गई। विभिन्न समाज जनों द्वारा पूरे कस्बे में 31 से अधिक स्वागत द्वार लगाए गए। विभिन्न संगठनों द्वारा रैली का जगह-जगह पुष्प वृष्टि से स्वागत किया गया। रैली पटेल छात्रावास से प्रारंभ होकर फतेह टावर, रानी रोड, नया बस स्टैंड, मेन मार्केट, मोचीवाड़ा, आजाद चौक, पटेल बस्ती निचला खेरवाड़ा तथा सरदार पटेल सर्कल निचला खेरवाड़ा से पुनः पटेल समाज छात्रावास पहुंच कर दोपहर 1 बजे भव्य एकता सभा में बदल गई। इससे पूर्व रैली में पटेल चौराहा पर पटेल की मूर्ति पर समाज अध्यक्ष एवं महामंत्री, पांचों शाखाओं के अध्यक्ष, पूर्व विधायक नानालाल अहारी आदि के द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रैली में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से थानाधिकारी दलपत सिंह राठौड़ के निर्देशन में पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

एकता सभा में उदयपुर सांसद डॉक्टर मन्नालाल रावत, संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष अमित कलाल, खेरवाड़ा ग्राम पंचायत प्रशासक लक्ष्मी अहारी, आरएसएस के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य पन्ना लाल मीणा,पटेल समाज खड़क चोखला अध्यक्ष कुरी चंद पटेल व महामंत्री गौतम लाल पटेल मंचासिन अतिथि रहे। मुख्य अतिथि सांसद डॉक्टर रावत ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर अपने संबोधन में बताया कि सरदार पटेल को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा में दिए गए योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनके आदर्शों का अनुसरण करना ही उनकी 150 वीं जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सभा को पटेल समाज अध्यक्ष एवं महामंत्री, युवा संगठन के पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। सभा के समापन से पूर्व स्थानीय विधायक डॉक्टर दयाराम परमार ने अपनी उपस्थिति प्रदान कर समाजजनों को पटेल जयंती की शुभकामनाएं प्रदान की। सभा में समाज की पांचों शाखाओं के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गौतम लाल पटेल ने किया। अंत में युवा संगठन द्वारा सभी अतिथियों एवं समाजजनों का रैली और सभा को सफल बनाने हेतु आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया गया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर किया नमन - एनसीसी कैडेट्स ने निकाली रैली, दी राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा संगठित राष्ट्र ही हमारी उन्नति का आधार है : प्रो. सारंगदेवोत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। आधुनिक भारत के शिल्पकार और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका सदैव अविस्मरणीय रहेगी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 564 रियासतों का एकीकरण कर एक सशक्त और संगठित भारत का निर्माण किया। आज की पीढ़ी को उनके राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और अखंडता के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है ताकि जाति और धर्म से ऊपर उठकर एकीकृत भारत का निर्माण किया जा सके। एनसीसी प्रभारी डॉ. युवराज सिंह राठौड़ ने बताया कि इस अवसर पर माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स द्वारा 'रन फॉर यूनिटी' रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रैली का उद्देश्य देश में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश प्रसारित करना था। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, प्रो. जी.एम. मेहता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. हेमंत साहू, कृष्णकांत कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. यज्ञ आमेटा, डॉ. चन्द्रेश छतलानी, लहरनाथ, डॉ. विकास डांगी, डॉ. ललित सहित कई अधिकारी, प्राध्यापक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और देश में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाए रखने की शपथ ली।

अहमदाबाद में आचार्य सुनीलसागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में सिद्धचक्र महामंडल विधान में सिद्धों को 128 अर्घ्य समर्पित





24 न्यूज अपडेट

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद नगर स्थित यूनिवर्सिटी ग्राउंड में प्राकृत ज्ञान केसरी आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज ससंघ के 61वें पिच्छी चातुर्मास के समापन अवसर पर चल रहे आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के तीसरे दिन शुक्रवार, 31 अक्टूबर को विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। यह आयोजन सकल दिगंबर जैन समाज एवं चातुर्मास समिति के संयुक्त तत्वावधान में, तथा प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद पगारिया 'विरल' (सागवाड़ा) के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। विधान समिति के विपिन पंचोरी (साबला) ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को प्रातः चारों दिशाओं में विराजमान जिनेन्द्र भगवान एवं सिद्धचक्र यंत्र का अभिषेक किया गया। इसके बाद विश्व शांति की कामना से शांतिधारा, देव-शास्त्र-गुरु पूजा तथा नन्दीश्वर पूजा संपन्न हुई। सिद्धचक्र विधान मंडप की आठों दिशाओं में बीजाक्षर मंत्रों द्वारा अर्घ समर्पण किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य सौधर्म इन्द्र राजेन्द्र सोभागमल कटारिया परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात सिद्धचक्र विधान की पांचवीं पूजा के तहत विधान मंडप पर अष्टद्रव्य एवं श्रीफल युक्त 128 अर्घ सिद्धों को समर्पित किए गए। सांयकालीन सत्र में आदिनाथ भगवान, सिद्धचक्र यंत्र एवं आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज की आरती बड़े श्रद्धा भाव से उतारी गई।

शक्ति, साहस, समर्पण और कुशल नेतृत्व की पर्याय रहीं श्रीमती इंदिरा गांधी - कचरू लाल चौधरी



24न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अक्टूबर। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि तथा देश के प्रथम गृहमंत्री, लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज सूरजपोल स्थित उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया।

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. संजीव राजपुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत में दोनों महान नेताओं के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात आयोजित गोष्ठी में कांग्रेसजनों ने उनके आदर्शों और योगदान को याद किया। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने कहा कि भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का जीवन और कार्य देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और असाधारण नेतृत्व से देश को नई दिशा और शक्ति प्रदान की। इंदिरा गांधी शक्ति, साहस, समर्पण और कुशल नेतृत्व की पर्याय रहीं। राष्ट्र की एकता, सुरक्षा और प्रगति में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने आगे कहा कि अखंड भारत के शिल्पकार, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता की मजबूत नींव रखी। पूर्व उप जिला प्रमुख लक्ष्मी नारायण पंड्या ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी को राष्ट्र की एकता, आत्मनिर्भरता और सशक्त भारत के निर्माण के प्रति समर्पण के लिए सदैव याद किया जाएगा। उनकी कर्मनिष्ठा, दूरदर्शिता और नेतृत्व हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत को एक सूत्र में पिरोकर देश की अखंडता की नींव रखी, उनका अदम्य साहस और राष्ट्रनिष्ठा सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। इस अवसर पर देहात जिला कांग्रेस महासचिव लक्ष्मी नारायण मेघवाल, देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. संजीव राजपुरोहित, देहात जिला कांग्रेस सचिव भानु प्रताप गुर्जर, मोती लाल शर्मा, रतन लाल पूर्बिया, दिनेश पानेरी, दिनेश औदिच्य, मदन सिंह बाबरवाल, लक्ष्मी लाल सोनी, सुरेश कुमार तराठी, बगदी लाल जैन सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्ञान पंचमी पर बच्चों की मौलिक कहानियों की गूंज - अखिल भारतीय साहित्य परिषद उदयपुर की कथा कथन गोष्ठी में दिखी नन्हे रचनाकारों की कल्पनाशीलता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, उदयपुर द्वारा ज्ञान पंचमी के अवसर पर पहाड़ी बाला जी मंदिर, गोवर्धन विलास में 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की कथा कथन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार के सानिध्य में हुआ। इस गोष्ठी में बच्चों को तीन श्रेणियों में कहानी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया — पोस्टर देखकर कहानी कथन, किसी महापुरुष पर आधारित कथा, तथा आसपास के परिवेश से प्रेरित कल्पनाशील कहानी। बच्चों ने अपने मौलिक विचारों और कल्पनाशक्ति के आधार पर रोचक व प्रेरणादायक कहानियां सुनाईं। पूजा ने पोस्टर देखकर "एकता में बल" विषय पर कहानी प्रस्तुत की, जिसमें सहयोग और सद्भाव का संदेश था। रक्षिता ने "केकड़े और कछुए की कथा" सुनाकर आपसी सहयोग का महत्व बताया। महापुरुषों पर आधारित श्रेणी में आयुषी ने महाराणा प्रताप के त्याग और साहस को अपनी कथा के माध्यम से अभिव्यक्त किया, जबकि मयंक ने पृथ्वीराज चौहान के शौर्य को कहानी रूप में प्रस्तुत किया। इसी तरह अन्य प्रतिभागियों ने चाणक्य और पन्नाधाय जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों पर स्वयं की रचनाएँ सुनाईं। कार्यक्रम में विशेष रूप से कोटा के प्रसिद्ध बाल साहित्य सृजक विष्णु हरिहर ने बच्चों को "सूरज टोपीवाला" कहानी सुनाते हुए बताया कि कहानी लिखते समय घटनाओं का चयन, पात्रों का निर्माण और कल्पनाशक्ति का प्रयोग कैसे किया जाए। समापन सत्र में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री विपिनचंद्र ने कहा कि — "कहानियों के माध्यम से संवेदना, ज्ञान और प्रेरणा जैसे अनेक गुणों का विकास होता है। बच्चों में ऐसी गतिविधियाँ सृजनशीलता को पोषित करती हैं।"

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।